

## ॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑ति॒मिति॑ ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे।  
 क॒विम्। क॒वीना॑म्। उ॒प॒मश्र॑वस्तम॒मित्यु॑प॒मश्र॑वः-त॒मम्॥  
 ज्ये॒ष्ठरा॑ज॒मिति॑ ज्येष्ठ-राजम्। ब्र॒ह्म॑णा॒म्। ब्र॒ह्म॑णः। प॒ते।  
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। ऊ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॑द॒नम्॥  
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इति॑। ते। इष॑वे। नमः॑॥  
 नमः॑। ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॑ने। बा॒हुभ्या॑मिति॑ बा॒हु-भ्या॑म्।  
 उ॒ता। ते। नमः॑॥ या। ते। इषुः॑। शि॒वत॑मेति॑ शि॒व-त॑मा।  
 शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। तव॑।  
 तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः।  
 अघो॑रा। अ॒पाप॑काशिनीत्य॒पाप॑-का॒शिनी॑॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑।  
 श॒न्त॑म॒येति॑ श॒म-त॑म॒या। गि॒रिश॑न्तेति॑ गि॒रि-श॑न्त॒। अ॒भीति॑।  
 चा॒क॒शीहि॑॥ या॒म्। इषु॑म्। गि॒रिश॑न्तेति॑ गि॒रि-श॑न्त॒। ह॒स्ते॑।  
 (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि-त्र॑। ता॒म्।  
 कुरु॑। मा। हि॒॒सीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा।  
 त्वा। गि॒रिश॑। अ॒च्छा॑। व॒दाम॑सि॒॥ यथा॑। नः। सर्व॑म्। इत्।  
 जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑ इति॑ सु-मनाः॑। अस॑त्॥ अधी॑ति॒।

अ॒वो॒चत्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि॒व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः। भि॒षक्॥  
 अ॒हीन्। च। सर्वा॑न्। ज॒म्भ॒यन्। सर्वाः॑। च। या॒तु॒धा॒न्य॑ इति  
 या॒तु॒धा॒न्यः॥ अ॒सौ। यः। ता॒म्रः। अ॒रु॒णः। उ॒त। ब॒भ्रुः।  
 सु॒म॒ङ्ग॒ल॒ इति॑ सु॒म॒ङ्ग॒लः॥ ये। च। इ॒मा॒म्। रु॒द्राः। अ॒भि॒तः।  
 दि॒क्षु। (२)

श्रि॒ताः। स॒ह॒स्र॒श॒ इति॑ स॒ह॒स्र॒शः। अ॒वे॒ति॑। ए॒षा॒म्। हे॒डः।  
 ई॒म॒हे॥ अ॒सौ। यः। अ॒व॒स॒र्प॒तीत्य॑व॒स॒र्प॒ति॑। नी॒ल॒ग्री॒व॒ इति॑  
 नी॒ल॒ग्री॒वः। वि॒लो॒हि॒त॒ इति॑ वि॒लो॒हि॒तः॥ उ॒त। ए॒न॒म्। गो॒पा  
 इति॑ गो॒पाः। अ॒दृ॒श॒न्। अ॒दृ॒श॒न्। उ॒द॒हा॒र्य॑ इत्यु॒द॒हा॒र्यः॥ उ॒त।  
 ए॒न॒म्। वि॒श्वः॑। भू॒ता॒नि॑। सः। दृ॒ष्टः। मृ॒ड॒या॒ति॑। नः॥ न॒मः।  
 अ॒स्तु। नी॒ल॒ग्री॒वा॒येति॑ नी॒ल॒ग्री॒वा॒य॒। स॒ह॒स्रा॒क्षा॒येति॑ स॒ह॒स्र॒-  
 अ॒क्षा॒य॒। मी॒ढुषे॑॥ अथो॒ इति॑। ये। अ॒स्य॒। स॒त्वा॑नः। अ॒ह॒म्।  
 ते॒भ्यः। अ॒क॒र॒म्। न॒मः॥ प्रे॒ति॑। मु॒ञ्च॒। ध॒न्व॑नः। त्वम्। उ॒भयोः॑।  
 आ॒र्त्वि॒योः। ज्या॒म्॥ याः। च। ते। ह॒स्ते॑। इ॒ष॒वः। (३)

प॒रे॒ति॑। ताः। भ॒ग॒व॒ इति॑ भ॒ग॒वः। व॒प॒॥ अ॒व॒त॒त्ये॒त्य॑व॒त॒त्य॒।  
 ध॒नुः। त्वम्। स॒ह॒स्रा॒क्षेति॑ स॒ह॒स्र॒अ॒क्ष॒। श॒ते॒षु॒ध॒ इति॑ श॒त॒-  
 इ॒षु॒धे॑॥ नि॒शी॒र्येति॑ नि॒शी॒र्य॒। श॒ल्या॒ना॑म्। मु॒खा॑। शि॒वः। नः॥

सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः।  
 कपर्दिनः। विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्।  
 उत॥ अनेशन। अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥  
 या। ते। हेतिः। मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्तै। बभूव। ते।  
 धनुः॥ तया। अस्मान्। विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति।  
 भुज॥ नमः। ते। अस्तु। आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय।  
 धृष्णवै॥ उभाभ्याम्। उत। ते। नमः। बाहुभ्यामिति बाहु-  
 भ्याम्। तव। धन्वने॥ परीति। ते। धन्वनः। हेतिः। अस्मान्।  
 वृणक्तु। विश्वतः॥ अथो इति। यः। इषुधिरितीषु-धिः। तव।  
 आरे। अस्मत्। नीति। धेहि। तम्॥ (४)

नमः। हिरण्यबाहव इति हिरण्य-बाहवे। सेनान्य इति  
 सेना-न्यै। दिशाम्। च। पतये। नमः। नमः। वृक्षेभ्यः।  
 हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। पशूनाम्। पतये। नमः।  
 नमः। सस्मिञ्जराय। त्विषीमत इति त्विषी-मते। पथीनाम्।  
 पतये। नमः। नमः। बभ्रुशाय। विव्याधिन इति वि-व्याधिने।  
 अन्नानाम्। पतये। नमः। नमः। हरिकेशायेति हरि-केशाय।  
 उपवीतिन इत्युप-वीतिने। पुष्टानाम्। पतये। नमः। नमः।  
 भवस्य। हेत्यै। जगताम्। पतये। नमः। नमः। रुद्राय।

आ॒त॒ता॒वि॒न॒ इ॒त्या॑-त॒ता॒वि॒ने॑। क्षे॒त्रा॑णा॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑।  
सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। व॒ना॑ना॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒प॒त॒ये। वृ॒क्षा॑णा॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। म॒न्त्रि॑णे॑।  
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॑णा॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। भु॒व॒न्त॒ये॑।  
वा॒रि॒व॒स्कृ॒ताये॑ति॒ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धी॒नाम्। प॒त॒ये।  
न॒मः॑। न॒मः॑। उ॒च्चैर्घो॑षा॒येत्यु॒च्चैः-घो॑षा॒य॒। आ॒क्र॒न्द॒य॒त॒ इ॒त्या॑-  
क्र॒न्द॒य॒ते। प॒त्ती॒नाम्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। कृ॒त्स्न॒वी॒ताये॑ति॒  
कृ॒त्स्न॒वी॒ताय॑। धा॒व॒ते। स॒त्त्वं॒नाम्। प॒त॒ये। न॒मः॑॥ (६)

न॒मः॑। स॒ह॒मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धि॒न॒ इति॑ नि-व्या॒धि॒ने॑।  
आ॒व्या॒धि॒नी॒ना॒मि॒त्या॑-व्या॒धि॒नी॒ना॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑।  
क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑ नि-स॒ङ्गि॒ने॑। स्ते॒ना॒ना॒म्। प॒त॒ये।  
न॒मः॑। न॒मः॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑ नि-स॒ङ्गि॒ने॑। इ॒षु॒धि॒म॒त॒ इती॑षु॒धि॒-  
म॒ते॑। त॒स्क॑रा॒णा॒म्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। व॒ञ्च॒ते। प॒रि॒व॒ञ्च॒त॒  
इति॑ प॒रि॒-व॒ञ्च॒ते। स्ता॒यू॒नाम्। प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। नि॒चे॒र॒व॒  
इति॑ नि-चे॒र॒वे॑। प॒रि॒च॒रा॒येति॑ प॒रि॒-च॒राय॑। अ॒र॒ण्या॒ना॒म्।  
प॒त॒ये। न॒मः॑। न॒मः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॒ इति॑ सू॒का॒वि॒-भ्यः॑।  
जिघा॑ँस॒द्भ्य॒ इति॑ जिघा॑ँस॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ता॒म्। प॒त॒ये।

नमः। नमः। अ॒सि॒म॒द्भ्य॒ इत्य॑सि॒मत्-भ्यः। नक्त॑म्। चर॑द्भ्य॒  
 इति॑ चर॑त्-भ्यः। प्र॒कृ॒न्ताना॑मिति॑ प्र-कृ॒न्ताना॑म्। पत॑ये। नमः।  
 नमः। उ॒ष्णी॒षिणै॑। गि॒रि॒च॒रायेति॑ गि॒रि॒च॒राय॑। कु॒लु॒ञ्चाना॑म्।  
 पत॑ये। नमः। नमः। (७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य॒ इती॑षु॒मत्-भ्यः। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॒ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒भ्यः।  
 च। वः। नमः। नमः। आ॒त॒न्वा॒नेभ्य॒ इत्या॑-त॒न्वा॒नेभ्यः।  
 प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्य॒ इति॑ प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 आ॒य॒च्छ॒द्भ्य॒ इत्या॑य॒च्छत्-भ्यः। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य॒ इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः।  
 च। वः। नमः। नमः। अ॒स्य॑द्भ्य॒ इत्य॑स्य॑त्-भ्यः। वि॒ध्य॑द्भ्य॒  
 इति॑ वि॒ध्य॑त्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। आ॒सी॒नेभ्यः।  
 श॒या॒नेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। स्व॒प॒द्भ्य॒ इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः।  
 जाग्र॑द्भ्य॒ इति॑ जाग्र॑त्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। तिष्ठ॑द्भ्य॒  
 इति॑ तिष्ठ॑त्-भ्यः। धाव॑द्भ्य॒ इति॑ धाव॑त्-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। स॒भाभ्यः॑। स॒भाप॑तिभ्य॒ इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। अ॒श्वे॑भ्यः। अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्वपति-भ्यः। च।  
 वः। नमः॥ (८)

नमः। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः। वि॒वि॒ध्य॑न्तीभ्य॒  
 इति॑ वि॒वि॒ध्य॑न्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उ॒ग॒णाभ्यः।

तृ॒हृती॑भ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृ॒थ्से॑भ्यः। गृ॒थ्स॑प॒तिभ्य॑  
 इति॑ गृ॒थ्स॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। व्रा॒तै॑भ्यः।  
 व्रा॒त॑प॒तिभ्य॑ इति॑ व्रा॒त॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 ग॒णे॑भ्यः। ग॒ण॑प॒तिभ्य॑ इति॑ ग॒ण॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। वि॒रू॒पे॑भ्यः। वि॒श्वरू॒पे॑भ्य इति॑ वि॒श्व-रू॒पे॑भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। म॒हद्भ्य॑ इति॑ म॒हत्-भ्यः। क्षु॒ल्ल॒के॑भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। र॒थि॑भ्य इति॑ र॒थि-भ्यः। अ॒र॒थे॑भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। र॒थे॑भ्यः। (९)

र॒थ॑प॒तिभ्य॑ इति॑ र॒थ॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। से॒ना॑भ्यः।  
 से॒ना॑नि॒भ्य इति॑ से॒ना॑नि॒भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्ष॒त्तृ॑भ्य  
 इति॑ क्ष॒त्तृ-भ्यः। स॒ङ्ग॒ही॒तृ॑भ्य इति॑ स॒ङ्ग॒ही॒तृ-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। तक्ष॑भ्य इति॑ तक्ष॑भ्यः। र॒थ॒का॒रे॑भ्य इति॑ र॒थ॒का॒रे॑भ्यः।  
 च। वः। नमः। नमः। कु॒ला॒ले॑भ्यः। क॒र्मा॒रे॑भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। पु॒ञ्जि॒ष्टे॑भ्यः। नि॒षा॒दे॑भ्यः। च। वः। नमः। नमः। इ॒षु॒कृ॒द्भ्य॑  
 इती॑षु॒कृत्-भ्यः। ध॒न्व॒कृ॒द्भ्य॑ इति॑ ध॒न्व॒कृत्-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। मृ॒ग॒यु॒भ्य इति॑ मृ॒ग॒यु॒भ्यः। श्व॒नि॒भ्य इति॑ श्व॒नि॒भ्यः।  
 च। वः। नमः। नमः। श्व॒भ्य इति॑ श्व॒भ्यः। श्व॒प॒ति॒भ्य इति॑  
 श्व॒प॒ति॒भ्यः। च। वः। नमः॥ (१०)

नमः। भ॒वाय॑। च॒। रु॒द्राय॑। च॒। नमः। श॒र्वाय॑। च॒। प॒शुप॑त॒य॒  
 इति॑ प॒शु-प॑त॒ये। च॒। नमः। नील॑ग्रीवा॒येति॑ नील॑-ग्रीवा॒य॒।  
 च॒। शि॒ति॒कण्ठा॑येति॑ शि॒ति-कण्ठा॑य॒। च॒। नमः। क॒पर्दि॑ने॒।  
 च॒। व्यु॑प्त॒केशा॑येति॑ व्यु॑प्त-के॒शा॒य॒। च॒। नमः। स॒हस्रा॑क्षा॒येति॑  
 सह॑स्र-अ॒क्षा॒य॒। च॒। श॒त॒ध॒न्वन॑ इति॑ श॒त-ध॒न्वने॑। च॒। नमः।  
 गि॒रि॒शा॒य॒। च॒। शि॒पि॒वि॒ष्टा॑येति॑ शि॒पि-वि॒ष्टा॑य॒। च॒। नमः।  
 मी॒दुष्ट॑मा॒येति॑ मी॒दुः-त॒मा॒य॒। च॒। इषु॑म॒त॒ इती॑षु॒-म॒ते॒। च॒।  
 नमः। ह॒स्वा॒य॒। च॒। वा॒म॒ना॒य॒। च॒। नमः। बृ॒ह॒ते॒। च॒। वर्षी॑य॒से॒।  
 च॒। नमः। वृ॒द्धा॒य॒। च॒। सं॒वृ॒ध्व॒न॒ इति॑ स॒म्-वृ॒ध्व॒ने॒। च॒। (११)  
 नमः। अ॒ग्रि॒या॒य॒। च॒। प्र॒थ॒मा॒य॒। च॒। नमः। आ॒श॒वे॒। च॒।  
 अ॒जि॒रा॒य॒। च॒। नमः। शी॒घ्रि॒या॒य॒। च॒। शी॒भ्या॑य॒। च॒।  
 नमः। ऊ॒र्म्या॑य॒। च॒। अ॒व॒स्व॒न्या॑येत्य॒व-स्व॒न्या॑य॒। च॒। नमः।  
 स्रो॒त॒स्या॑य॒। च॒। द्वी॒प्या॑य॒। च॒॥ (१२)

नमः। ज्ये॒ष्ठा॒य॒। च॒। क॒नि॒ष्ठा॒य॒। च॒। नमः। पू॒र्व॒जा॑येति॑  
 पू॒र्व-जा॑य॒। च॒। अ॒पर॑जा॒येत्य॑पर-जा॒य॒। च॒। नमः। म॒ध्य॒मा॒य॒।  
 च॒। अ॒प॒ग॒ल्भा॑येत्य॒प-ग॒ल्भा॑य॒। च॒। नमः। ज॒घ॒न्या॑य॒।  
 च॒। बु॒घ्रि॒या॒य॒। च॒। नमः। सो॒भ्या॑य॒। च॒। प्र॒ति॒स॒र्या॑येति॑

प्रति-स॒र्याय॑। च॒। नमः॑। याम्या॑य। च॒। क्षेम्या॑य। च॒।  
 नमः॑। उ॒र्वर्या॑य। च॒। खल्या॑य। च॒। नमः॑। श्लो॒क्या॑य।  
 च॒। अ॒वसा॒न्यायेत्य॑व-सा॒न्याय॑। च॒। नमः॑। व॒न्या॑य। च॒।  
 क॒क्ष्या॑य। च॒। नमः॑। श्र॒वाय॑। च॒। प्र॒तिश्र॒वायेति॑ प्रति-श्र॒वाय॑।  
 च॒। (१३)

नमः॑। आ॒शुषे॑णा॒येत्या॒शु-से॒नाय॑। च॒। आ॒शुर॑था॒येत्या॒शु-र॒थाय॑।  
 च॒। नमः॑। शू॒राय॑। च॒। अ॒वभि॒न्दत॑ इत्य॑व-भि॒न्दते॑। च॒। नमः॑।  
 व॒र्मिणे॑। च॒। व॒रूथि॑ने॑। च॒। नमः॑। बि॒ल्मिने॑। च॒। क॒वचि॑ने॑।  
 च॒। नमः॑। श्रु॒ताय॑। च॒। श्रु॒तसे॒नायेति॑ श्रु॒त-से॒नाय॑। च॒॥ (१४)  
 नमः॑। दु॒न्दुभ्या॑य। च॒। आ॒ह॒न॒न्यायेत्या॑-ह॒न॒न्याय॑। च॒। नमः॑।  
 धृ॒ष्णवे॑। च॒। प्र॒मृशा॑येति॑ प्र-मृ॒शाय॑। च॒। नमः॑। दू॒ताय॑। च॒।  
 प्र॒हि॒तायेति॑ प्र-हि॒ताय॑। च॒। नमः॑। नि॒षङ्गि॑ण॒ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑।  
 च॒। इ॒षुधि॑म॒त॒ इती॑षुधि-म॒ते॑। च॒। नमः॑। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑  
 ती॒क्ष्ण-इ॒षवे॑। च॒। आ॒युधि॑ने॑। च॒। नमः॑। स्वा॒युधा॑येति॑ सु-  
 आ॒युधा॑य॑। च॒। सु॒ध॒न्व॒न॒ इति॑ सु-ध॒न्व॒ने॑। च॒। नमः॑। स्रु॒त्याय॑।  
 च॒। प॒थ्या॑य। च॒। नमः॑। का॒ट्या॑य। च॒। नी॒प्या॑य। च॒। नमः॑।  
 सू॒द्याय॑। च॒। स॒र॒स्याय॑। च॒। नमः॑। ना॒द्याय॑। च॒। वैश॑न्ताय॑।



च। (१५)

नमः। कूप्याय। च। अवट्याय। च। नमः। वर्ष्याय। च।  
 अवर्ष्याय। च। नमः। मेघ्याय। च। विद्युत्यायेति वि-द्युत्याय।  
 च। नमः। ईध्रियाय। च। आतप्यायेत्या-तप्याय। च। नमः।  
 वात्याय। च। रेष्मियाय। च। नमः। वास्तव्याय। च।  
 वास्तुपायेति वास्तु-पाय। च॥ (१६)

नमः। सोमाय। च। रुद्राय। च। नमः। ताम्राय। च। अरुणाय।  
 च। नमः। शङ्गाय। च। पशुपतय इति पशु-पतये। च।  
 नमः। उग्राय। च। भीमाय। च। नमः। अग्रेवधायेत्यग्रे-वधाय।  
 च। दूरेवधायेति दूरे-वधाय। च। नमः। हन्त्रे। च। हनीयसे।  
 च। नमः। वृक्षेभ्यः। हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। नमः।  
 ताराय। नमः। शम्भव इति शम्-भवे। च। मयोभव इति मयः-  
 भवे। च। नमः। शङ्करायेति शम्-कराय। च। मयस्करायेति  
 मयः-कराय। च। नमः। शिवाय। च। शिवतरायेति शिव-  
 तराय। च। (१७)

नमः। तीर्थ्याय। च। कूल्याय। च। नमः। पार्याय।  
 च। अवार्याय। च। नमः। प्रतरणायेति प्र-तरणाय।

च। उत्तर॑णा॒येत्यु॑त्-तर॑णाय। च। नमः॑। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-  
 ता॒र्याय। च। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-ला॒द्याय। च। नमः॑। श॒ष्या॒य।  
 च। फे॒न्या॒य। च। नमः॑। सि॒क॒त्या॒य। च। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑  
 प्र-वा॒ह्याय। च॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्या॒य। च। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र-प॒थ्याय। च। नमः॑।  
 कि॒॒शिला॑य। च। क्षय॑णाय। च। नमः॑। क॒प॒र्दि॒ने॑। च।  
 पु॒ल॒स्तये॑। च। नमः॑। गो॒ष्ठा॒येति॑ गो-स्थ्या॒य। च। गृ॒ह्या॒य।  
 च। नमः॑। त॒ल्प्या॒य। च। गे॒ह्या॒य। च। नमः॑। का॒ट्या॒य।  
 च। ग॒ह्वरे॑ष्ठा॒येति॑ ग॒ह्वरे॑-स्था॒य। च। नमः॑। हृ॒द॒य्या॒य। च।  
 नि॒वे॒ष्या॒येति॑ नि-वे॒ष्या॒य। च। नमः॑। पा॒॒स॒व्या॒य। च।  
 र॒ज॒स्या॒य। च। नमः॑। शु॒ष्क्या॒य। च। ह॒रि॒त्या॒य। च। नमः॑।  
 लो॒प्या॒य। च। उ॒ल॒प्या॒य। च। (१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्या॒य। च। सू॒र्म्या॒य। च। नमः॑। पु॒र्ण्या॒य। च।  
 पु॒र्ण॒श॒द्या॒येति॑ पु॒र्ण॒श॒द्या॒य। च। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णा॒येत्य॑प-  
 गु॒रमा॑णाय। च। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि-घ्न॒ते। च। नमः॑। आ॒खि॒ख॒द॒त  
 इत्या॑-खि॒द॒ते। च। प्र॒खि॒ख॒द॒त इति॑ प्र-खि॒द॒ते। च। नमः॑। वः।  
 कि॒रि॒के॒भ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृ॒द॒ये॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्य इति॑

वि-क्षी॒ण॒के॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्य इति॑ वि-चि॒न्व॒त्के॒भ्यः॑।  
 नमः॑। आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्य इत्या॑निः-ह॒ते॒भ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्के॒भ्य  
 इत्या॑मी॒व॒त्के॒भ्यः॑॥ (२०)

द्रा॒पै॑। अ॒न्ध॑सः। प॒ते। द॒रि॑द्रत्। नि॒ल॑लो॒हि॒ते॒ति नी॒ल॑-लो॒हि॒त्॥  
 ए॒षाम्। पु॒रु॑षा॒णाम्। ए॒षाम्। प॒शू॒नाम्। मा॒। भेः॑। मा॒। अ॒रः॑।  
 मो॒ इति॑। ए॒षाम्। किम्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥ या॒। ते॒। रु॒द्र॒।  
 शि॒वा। त॒नूः। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॑भे॒ष॒जी॒ति वि॒श्वा॒ह॑-भे॒ष॒जी॒॥  
 शि॒वा। रु॒द्र॒स्य॑। भे॒ष॒जी॒। तया॑। नः॑। मृ॒डा। जी॒व॒सै॑॥ इ॒माम्।  
 रु॒द्रा॒य॑। त॒व॒सै॑। क॒प॒र्दि॒नै॑। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒ये॒ति क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॑।  
 प्रे॒ति॑। भ॒रा॒म॒हे। म॒तिम्॥ यथा॑। नः॑। शम्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द॒  
 इति॑ द्वि-प॒दे॑। च॒तु॑ष्प॒द॒ इति॑ च॒तुः-प॒दे॑। वि॒श्वम्। पु॒ष्टम्।  
 ग्रामे॑। अ॒स्मिन्॑। (२१)

अ॒ना॑तु॒र॒मि॒त्य॒ना॑-तु॒र॒म्॥ मृ॒डा। नः॑। रु॒द्र॒। उ॒त। नः॑। म॒यः॑।  
 कृ॒धि॒। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒ये॒ति क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॑। नम॑सा। वि॒धे॒म्। ते॒॥  
 यत्। शम्। च॒। योः॑। च॒। म॒नुः॑। आ॒य॒ज इत्या॑-य॒जे। पि॒ता।  
 तत्। अ॒श्या॒म्। तव॑। रु॒द्र॒। प्र॒णी॑ता॒वि॒ति प्र-नी॑तौ॒॥ मा॒। नः॑।  
 म॒हान्त॑म्। उ॒त। मा॒। नः॑। अ॒र्भ॒कम्। मा॒। नः॑। उ॒क्ष॑न्तम्। उ॒त।  
 मा॒। नः॑। उ॒क्षि॑तम्॥ मा॒। नः॑। व॒धीः॑। पि॒तर॑म्। मा॒। उ॒त।

मा॒तर॒म्। प्रि॒याः। मा। नः॒। त॒नुवः॑। (२२)

रु॒द्र। री॒रि॒षः॥ मा। नः॒। तो॒के। तन॑ये। मा। नः॒। आयु॑षि।  
 मा। नः॒। गो॒षु। मा। नः॒। अ॒श्वेषु॑। री॒रि॒षः॥ वी॒रान्। मा।  
 नः॒। रु॒द्र। भा॒मितः॑। व॒धीः। ह॒विष्म॑न्तः। नम॑सा। वि॒धेम॒। ते॥  
 आ॒रात्। ते। गो॒घ्न इति॑ गो॒घ्ने। उ॒त। पू॒रुष॑घ्न इति॑ पू॒रुष॑घ्ने।  
 क्ष॒यद्वी॑रा॒येति॑ क्ष॒यत्-वी॑रा॒य। सु॒म्रम्। अ॒स्मे इति॑। ते। अ॒स्तु॥  
 रक्षा॑। च। नः॒। अधी॑ति। च। दे॒व। ब्रू॒हि। अधा॑। च। नः॒।  
 शर्म॑। य॒च्छ। द्वि॒र्बर्हा॑ इति॑ द्वि॒-बर्हाः॑॥ स्तु॒हि। (२३)

श्रु॒तम्। ग॒र्त॒सद॑मिति॑ ग॒र्त॒-सद॑म्। यु॒वा॒नम्। मृ॒गम्। न।  
 भी॒मम्। उ॒प॒ह॒नुम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्त॒वा॒नः।  
 अ॒न्यम्। ते। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। से॒नाः॥ परी॑ति।  
 नः॒। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः। वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरिति॑  
 दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा-योः॥ अवे॑ति। स्थि॒रा। म॒घव॑ञ्च  
 इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः॒। त॒नुष्व॑। मी॒ढ्वः। तो॒काय॑। तन॑याय।  
 मृ॒डय॑॥ मी॒ढुष्ट॑मेति॑ मी॒ढुः-त॒म्। शि॒व॑त॒मेति॑ शि॒व॑-त॒म्।  
 शि॒वः। नः॒। सु॒मना॑ इति॑ सु॒-मनाः॑। भ॒व॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।  
 आयु॑धम्। नि॒धाये॑ति॑ नि॒-धाय॑। कृ॒त्ति॒म्। वसा॑नः। ए॒ति।  
 च॒र। पि॒ना॒कम्। (२४)

बिभ्रत्। एति। गृहि॥ विकिरिदेति वि-किरिद्। विलोहितेति  
 वि-लोहिता। नमः। ते। अस्तु। भगव इति भग-वः॥ याः। ते।  
 सहस्रम्। हेतयः। अन्यम्। अस्मत्। नीति। वपन्तु। ताः॥  
 सहस्राणि। सहस्रधेति सहस्र-धा। बाहुवोः। तव। हेतयः॥  
 तासाम्। ईशानः। भगव इति भग-वः। पुराचीना। मुखी।  
 कृधि॥ (२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति।  
 भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति।  
 धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।  
 भवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा  
 इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः। अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा  
 इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।  
 रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्मिञ्जराः।  
 नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। विलोहिता इति वि-लोहिताः॥  
 ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति  
 वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अत्रेषु। विविध्यन्तीति वि-  
 विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबन्तः। जनान्॥ ये। पथाम्। पथिरक्षय  
 इति पथि-रक्षयः। ऐलबृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि। (२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सृकावन्त इति सृका-वन्तः। निषङ्गिण  
 इति नि-सङ्गिनः॥ ये। एतावन्तः। च। भूयांसः। च। दिशः।  
 रुद्राः। वितस्थिर इति वि-तस्थिरे॥ तेषाम्। सहस्रयोजन  
 इति सहस्र-योजने। अवेति। धन्वानि। तन्मसि॥ नमः।  
 रुद्रेभ्यः। ये। पृथिव्याम्। ये। अन्तरिक्षे। ये। दिवि। येषाम्।  
 अन्नम्। वातः। वरुणम्। इषवः। तेभ्यः। दश। प्राचीः। दश।  
 दक्षिणा। दश। प्रतीचीः। दश। उदीचीः। दश। ऊर्ध्वाः। तेभ्यः।  
 नमः। ते। नः। मृडयन्तु। ते। यम्। द्विष्मः। यः। च। नः।  
 द्वेष्टि। तम्। वः। जम्भे। दधामि॥ (२७)

त्र्यम्बकमिति त्रि-अम्बकम्। यजामहे। सुगन्धिमिति सु-  
 गन्धिम्। पुष्टिवर्धनमिति पुष्टि-वर्धनम्॥ उर्वारुकम्। इव।  
 बन्धनात्। मृत्योः। मुक्षीय। मा। अमृतात्॥ यो। रुद्रः। अग्नौ।  
 यः। अप्स्वित्यप्-सु। यः। ओषधीषु। यः। रुद्रः। विश्वा।  
 भुवना। आविवेशेत्या-विवेश। तस्मै। रुद्राय। नमः। अस्तु॥

॥ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥